सवार

Translated By: Shubham Mankotia

कभी तुम्हें याद नहीं किया

क्योंकि तुम्हें कभी भूले ही नहीं

मेरी कविता,

गजल,

कहानी में

तुम

किसी न किसी रूप में

आ ही जाते हो,

मेरे सामने

अक्षरों में लिपटे हुए

उनके अर्थो से झांकते,

शरारत करते

दिख ही जाते हो।

मैं लिखूं

या ना लिखूं तुम सवार रहते हो हमेशा मेरी कहानी में यह मैं नहीं

सब मानते हैं।

Wander

Translated By: Vidhita Jamwal

I never warned you

Because you are unforgettable for me,

In my rhymes, ghazals, and stories

There is always you and you,

In whatever way, you came Infront of me,

Tangled in my words, peeping from its

Meaning, playfully I found you,

I may write or not write,

You wander there in my tales,

It's not me, but whole who agree

Original Text

सोआर

कदें तुगी चेता निं कीता

की जे तूं कदें भूल्लेआ गै नैई

मेरी कविता, ग़ज़ल, कहानी च

तूं कुस्से नांऽ कुस्से रूप च

मेरे सामनै आई गै जना ऐ–

अखरे च, लपटोए दा

उंदे अर्थें चा झांकदा

शरारतां करदा लब्बी गै जना ऐ

मैं लिखां जां नैई लिखां

तूं मेरी काह्न्नी प म्हेशा सवार ऐ

ऐह मैं नैई, सब मनदे न।